'जब' बगल में ही 'बैठना' था, तो 'सिर' फुटौवल 'यों'?

कैसे मिलेगा दिल जब मनमुटाव रहेगा, राजनीति में अपमान और मारखाने का कोई मतलब नहीं रह गया

विधायक बनने के लिए राजनेता क्या नहीं कर रहे हैं, मारखाने के अपमान को भी भूलने को यह तैयार रहते ⏩ जब तक यह राजनेता नहीं रहते, तब तक इनकी तरफ आंख दिखाने की किसी की हिम्मत नहीं पड़ती, मगर जैसे ही यह नेता हो जाते हैं, इनके इज्जत की कोई कीमत नहीं रहती ⏩ 2027 में रुधौली विधानसभा क्षेत्र से किन भाजपाईयों का चुनाव लड़ने और विधायक बनने का सपना पूरा होगा कहा नहीं जा सकता ⏩ राजनीति में वफा शब्द का कोई मतलब नहीं है, यहां तो 'हर चिराग अपने स्वार्थ में जलते हैं सच्ची वफा करने वाले पर पत्थर के मार पड़ते

तेजयुग न्यूज

बस्ती।....क्या 'पुष्कर आदित्य विक्रम सिंह' और 'यषंकात सिंह' ने कभी यह सोचा भी था, कि प्रमुखी चुनाव के बाद दोनों कभी एक साथ बगल में बैठेंगे। बगल में बैठना तो बहुत दूर की बात, करीब से गुजरना भी दोनों को गवारा नहीं था। कौन रामनगर के प्रमुखी चुनाव को भूल सकता हैं, पिरैला के महंथ अंकुर भारती का पर्चा दाखिला कराने के लिए पूरा अठदमा लग गया, पर्चा तो दाखिल नहीं करा पाए, अलबत्ता सिर प्रमुख चुने गए, और अठदमा और पिरैला वाले देखते रह गए। इस घटना के बाद लोगों को लगने लगा था, कि अब पिरैला और अठदमा कभी बढ़ोखर वालों के साथ एक टेबुल पर नहीं बैठ सकते, और ना ही कभी एक हो पाएगें। इसके बाद विधानसभा का चुनाव आ गया, और प्रमुखी चुनाव जरुर फोड़वा लिया।

इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों का कहना था, कि इसका खामियाजा बढ़ोखर और पांडेय बाजार वालों को भुगतना पड़ सकता है। यषंकात सिंह में यषकांत सिह की मदद करने वाले तत्कालीन विधायक संजय प्रताप जायसवाल की पत्नी को संगीता जायसवाल को सबक सिखाने के लिए खुद 'पुष्कर आदित्य ब्रिकम सिंह' चुनाव के मैदान में उतर गए, और आम आदमी पार्टी के सिंबल से चुनाव लड़े, अच्छा फाइट किया, जीत तो नहीं पाए, लेकिन संजय की पत्नी को भी जीतने नहीं दिया। इस चुनाव में पार्टी की ओर से यषंकात सिंह चुनाव प्रभारी रहे।

बहरहाल, एक तरह से अठदमा और पिरैला ने मिलकर प्रमुखी के चुनाव का बदला ले लिया। इसी के बाद से संजय, यषंकात और अंकुर के बीच में दूरियां और बढ़ने लगी। एक तरह से अठदमा और पिरैला वालों ने संजय प्रताप जायसवाल के राजनैतिक भविष्य पर पूर्ण विराम लगा दिया। इतना ही नहीं अठदमा और पिरैला ने मिलकर प्रमुखी चुनाव के ठीक बाद नगर पंचायत रुधौली के अध्यक्ष का चुनाव हुआ, जिसमें संजय जायसवाल की पत्नी संगीता जायसवाल प्रत्याषी रही, यहां पर भी दोनों ने इन्हें हराने के लिए पूरा दमखम लगा दिया, जिसके चलते संगीता को हार का मुंह देखना पड़ा। इस चुनाव में यषंकात सिंह भी संगीता को जीताने में लगे रहे। अगर कोई अठदमा और पिरैला की जगह पर होता तो वह भी इसी तरह अपने अपमान का बदला लेता।

अब आइए, उस राजनीति पर जिसके बारे में कहा जाता है, कि यहां पर कोई किसी का न तो दोस्त होता है, और न दुष्मन, जिसको जहां मौका मिलता हैं, सारे पुराने गिले षिकवे भूल कर हाथ पैर मारने लगता है। तीनों चुनाव के बाद किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था, कि अठदमा, पिरैला और बढ़ोखर कभी एक साथ होगें। लेकिन राजनैतिक महत्वकाक्षाओं को पूरा करने के लिए कभी-कभी खून का घूंट भी पीना पड़ता है। अक्सर नेताजी लोग पीते भी है। यही काम अठदमा वालों ने भी किया। जिसे किसी ने सोचा भी नहीं था, उसे भाजपा ने कर दिखाया। जो अठदमा और बढ़ोखर वाले कभी एक दूसरे को देखना पसंद नहीं करते थे, वही दोनों एक मंच पर अगल-बगल बैठें हुए हैं।

यह भी सही है, कि अठदमा वाले भाजपा की सेवा करने के नहीं बल्कि अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए पार्टी में आएं है। पुष्कर आदित्य विक्रम सिंह भी अपने दादा और पिता की तरह विधायक और मंत्री बनना चाहते है, और इसमें कोई बुराई भी नहीं है। वैसे अठदमा वालों को यह चीज नहीं भूलनी चाहिए कि भाजपा की यह परम्परा रही है, कि वे बाहरी वालों को वह सम्मान नहीं देते, जिनके वे हकदार होते हैं, जगदम्किापाल को इसे एक उदाहरण के रुप में देखा जाता है। पता नहीं कितने बाहरी वाले भाजपा में आए और निराष होकर वापस चले गए। कहा भी जाता है, कि सियासत में कोई न तो स्थाई दोस्त होता है और न स्थाई दुश्मन। अनेक उदाहरण इस मिसाल को पुख्ता करते हैं।

इस चुनाव के दौर में भी कई दुश्मन राजनीतिक दोस्त हो गए और कई दोस्तों में राजनीतिक दुश्मनी की लकीरें खिंच गई। इसे लोग अपने-अपने फायदे की नजर से देख रहे हैं। यही नजरिया यशकांत सिंह और पुष्कर आदित्य सिंह में भी देखने को मिल रहा है। एक के बाबा विधायक थे तो दूसरे कि बाबा मंत्री और पिता विधायक। राजनीति में वफा शब्द का कोई मतलब नहीं है, यहां तो 'हर चिराग अपने स्वार्थ में जलते हैं सच्ची वफा करने वाले पर मार पत्थर के पड़तें हैं।

'बनकटी' और 'कुदरहा' में एक दिन में हुआ 2.84 'करोड़' का 'भुगतान'

एक दिन के भुगतान से बनकटी और कुदरहा पहले और दूसरे पायदान पर पहुंचे

तेजयुग न्यूज

पहला नकली तो दूसरा असली प्रमुख ने बनाया एक दिनी का रिकार्ड ⏩ हर्रैया, रामनगर, सल्टौआ और सदर में बीडीओ की मेहरबानी से भुगतान जीरो रहा ⏩ इन चारों ब्लॉकों के मनरेगा कार्यक्रम अधिकारियों पक्के कार्यों की मंजूरी देकर बनाया कमाई का रिकार्ड ⏩ 60-40 का वाइलेषन करने के कारण भारत सरकार ने इनके भुगतान पर रोक लगा दिया ⏩ जिले का फीगर अचानक 4.3 अरब से एक ही दिन में हो गया, चार अरब 17 करोड़ ⏩ मनरेगा से एक ही साल में अधिकारी, प्रधान, रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक और बीडीओ हो गए मालामाल ⏩ दो अरब से अधिक का हुआ बंदरबांट, मजदूरों के घरों में चूल्हा नहीं जला, मगर मनरेगा से जुड़े लोगों ने साल भर मनाई दिपावली

बस्ती।...बनकटी और कुदरहा भ्रष्टाचार में नंबर वन और नंबर टू रहा है, और रहेगा। पहला नकली प्रमुख वाला तो दूसरा असली वाला रहा। इन दोनों ब्लॉकों की कमाई को देख वित्तीय साल 24-25 अन्य ब्लॉकों ने भी अभी से जोरआजमाइष करना षुरु कर दिया। भ्रष्टाचार का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं, कि भारत सरकार ने हर्रैया, रामनगर, सल्टौआ और बस्ती सदर ब्लॉक के भुगतान करने पर ही रोक लगा दिया।

इन चारों ब्लॉकों के मनरेगा कार्यक्रम अधिकारी भ्रष्टाचार में इतना डूबे रहे कि उन्हें यह तक नहीं दिखाई दिया, कि उनका ब्लॉक 60-40 के अनुपात के मामले में पहले से ही वाइलेषन कर चुका है। यही वह चारों ब्लॉके हैं, जहां पर जितने भी पीओ आए सभी ने आंखबंद कर पक्के कार्यो की मंजूरी दिया, यह लोग पैसे के लालच में इतना अंधा हो चुके कि इन्होंने ऐसे-ऐसे पक्के कार्यो की मंजूरी दी जिसे दिया ही नहीं जा सकता है। इसी कड़ी में रामनगर की महिला बीडीओ का भी नाम है। इन्होंने कुर्सी पर बैठते ही छक्का लगाना षुरु कर दिया, इन्होंने तो बखरे की लालच में ऐसे पक्के कार्यो की मंजूरी दे दी, जिसे इनके पूर्ववर्ती बीडीओ ने करने से इंकार कर दिया था। जिले में मनरेगा में चार अरब 17 करोड़ से अधिक का भुगतान हो चुका है, और गांव वालों को पता ही नहीं चला। जिले के अधिकारियों ने सरकार का इतना रुपया खर्च कर दिया, बावजूद 13 हजार से अधिक मजदूरों को ही 100 दिन का रोजगार दे पाए। कागजों में एक-एक कार्य पर सैकड़ों मस्टरोल निकलते रहे, हाजीरी भी लगती रही, मगर मौके पर पांच-दस से अधिक मजदूर नहीं मिलते।

21 मार्च तक के आकड़े पर अगर नजर डाले तो पता चलेगा कि ग्राम पंचायतों में विकास की गंगा इतनी बही हैं, कि उसमें कई ग्राम पंचायतों को डूब जाना चाहिए था, ग्राम पंचायतों में तो गंगा नहीं बही, अलबत्ता इससे जुड़े लोगों की तिजोरी अवष्य भर गई। मनरेगा में धन खर्च करने वालों में पहले स्थान पर बनकटी 46.82 करोड़, दूसरे स्थान पर कुदरहा 40.77 करोड़, तीसरे स्थान पर हर्रैया को पछाड़कर परसरामपुर पहुंच गया 37.57 करोड़, चैथे स्थान पर हर्रैया 37.07 करोड़, पांचवें स्थान पर दुबौलिया 37 करोड़, छठें स्थान पर गौर 35.45 करोड़, सातवें स्थान पर विक्रमजोत 29.77 करोड़, आठवें स्थान पर बहादुरपुर 27.95 करोड़, नौवें स्थान पर सल्टौआ 27.81 करोड़, दसवें स्थान पर रामनगर 23.18 करोड़, 11वें स्थान पर कप्तानगंज 21.06 करोड़, 12वें स्थान पर रुधौली 20.67 करोड़, 13वें स्थान पर बस्ती सदर 18.29 करोड़ और जिले के सबसे गरीब और असली प्रमुख वाले प्रमुख वाले सांउघाट का मनरेगा में पैसा खर्च करने का स्थान 14वें पर रहा इन्होंने 14.11 करोड़ खर्च कर निचले पायदान पर रहने का रिकार्ड बनाया।

'सपा' का 'समर्थक' निकले 'पकरी सोएम' के 'प्रधान'

फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विधिक और उचित कार्यवाही की मांग की है

तेजयुग न्यूज

बस्ती। विकासखंड रुधौली के क्षेत्र पंचायत सदस्य राजकुमार पाण्डेय ने डीएम/जिला निर्वाचन अधिकारी सहित अन्य लोगों को शिकायती पत्र देते हुए कहा है कि ग्राम पंचायत पकरी सोयम के ग्राम प्रधान धर्मेंद्र चैधरी जो वर्तमान समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में प्रदेश सचिव के तौर नामित किया गया है। जिन्होंने आचार संहिता के दौरान चुनाव में लोक लुभावन के वास्ते गांव की दलित महिलाओं को लालच देकर नेपाल देश के लुंबनी में गौतम बुद्ध जी का दर्शन करवाया। उन्होंने दलित समाज के लोगों को लालच देकर और भी सुविधा उपलब्ध कराने की बात कही है जो पूर्णतया आचार संहिता का विरोध की श्रेणी में आता है। फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विधिक और उचित कार्यवाही की मांग की है।

शिकायतकर्ता ने बताया कि विधासभा चुनाव 2022 में भी उक्त व्यक्ति के ऊपर आचार संहिता का उल्लंघन करने का दोषी भी पाया गया था। इनके विरुद्ध मुकामी थाना रूधौली में चार्जशीट भी लगा हुआ हैशिकायतकर्ता ने बताया कि जब चुनाव आचार संहिता लागू हो गई है और उसमें धारा 144 लागू हो चुका है तो एक स्थान पर पांच से अधिक व्यक्तियों को एकत्र होने के पहले प्रशासन से अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया गया है तो बिना अनुमति के इतनी बड़ी संख्या में एकजुट होकर कहीं भी जाना या किसी पार्टी से जोड़ने की प्रवृत्ति निषेध है,और कहा कि समाजवादी पार्टी का पदाधिकारी होते हुए और संवैधानिक पद पर रहते हुए बिना उपयुक्त अनुमति लिए हुए प्रधान ने अपने पद का दुरुपयोग किया है और चुनाव आचार संहिता का उलंघन किया है तो कहां तक उचित है।

इसके अलावा भी कल यानी बुधवार के दिन न कोई धार्मिक महत्व का राष्ट्रीय अथवा स्थानीय पर्व था और ना ही लुम्बिनी में धर्म समाज का कोई बड़ा संत ही आया था, और ना ही विदेश जाने की अनुमति ली गई है, तो फिर यह दलित महिला मतदाताओं को प्रलोभन देकर सपा के पक्ष में प्रभावित करने का दुस्साहस किया गया है कि नहीं। सन् 2022 के विधानसभा चुनाव में आचार संहिता लागू होने के बाद जनवरी माह में अनुसूचित जाति के लाभार्थी को अनुचित तरीके से मत्स्य आखेट का पट्टा दिया है। इसी प्रधान धर्मेंद्र चैधरी ने और उसमें एफआईआर प्रेक्षक के आदेश पर दर्ज हुई थी, खास बात यह है कि उक्त मामले में धर्मेंद्र चैधरी प्रधान को दोषी ठहराया गया और न्यायालय में चार्जशीट दाखिल हुई है।

'पीडब्लूडी' की 'घटिया' सड़क 'निर्माण' को लेकर 'ग्रामीणों' ने जताया 'विरोध'

तेजयुग न्यूज

बनकटी/बस्ती। बनकटी विकास क्षेत्र के मुरादपुर उर्फ बेलराई में बन रहा घटिया सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीणों ने विरोध जताया है। गिट्टी के ऊपर तुरंत काली गिट्टी डाल कर लेपन कार्य व उसके ऊपर रोलर चला कर बराबर कर दिया जा रहा है, जिसके चलते सड़क बनते ही टूट जा रही है। गिटटी उखड़ जा रही है। ग्रामीणों का कहना है, कि विभाग से षिकायत करने के बाद भी सड़क की गुणवत्ता को ठीक नहीं किया गया।

कहा कि जिस तरह सड़क बनाई जा रही है, वह सप्ताह में ही टूटने लगेगी। एक वृद्व विकलांग ने नंगे पैर से रगड़ कर देखा तो भरभरा कर सारी गिट्टियां उखड़ गई। लोगों ने बताया जेई एवं एक्सईएन आए थे। मानक विहिन कार्य को रूकवा दिया गया है। गांव के रामाज्ञा यादव जनार्दन चैधरी दिनेश चैधरी हृदय राम चैधरी मो0 हजमा राकेश चैधरी अनिल चैधरी सरवन विनोद चैधरी राम शब्द, चन्दर, मणिशंकर, मनिराम, सत्य नारायण, बसावन, बनवारी, शिव नारायण चैधरी, राधेश्याम, श्याम भवन, सुरेमन रजनीश आदि ने बताया जब तक मानक के अनुसार कार्य नहीं होगा तब तक निर्माण नहीं होने पाएगा।

आए दिन जिस तरह पीडब्लूडी की सड़कों को लेकर गांव वाले विरोध जता रहे हैं, उसे देख कहा जा सकता है, कि जब 30-35 बिलो टेंडर पड़ेगा और 12 फीसद बखरा देना पड़ेगा, तो सड़क कहां से गुणवत्तापरक बनेगी। कई ठेकेदारों का कहना है, कि सरकार खुद घटिया निर्माण करने के प्रेरित करती है। कहते हैं, कि कोई भी ठेकेदार घर से लगाकर गुणवत्ता परक सड़क का निर्माण नहीं कर सकता।

लोडर लेकर जा रहे युवक पर जानलेवा हमला

ऊंचाहार, रायबरेली : लोडर लेकर घर जा रहे एक युवक को रास्ते में रोककर चार युवकों ने धारदार हथियार व लोहे की रड़ से जानलेवा हमला कर दिया जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना गुरुवार की दोपहर क्षेत्र के अकोढिया गेट के पास हुई है। क्षेत्र के गांव कोटरा बहादुर गंज निवासी युवक सोनू कुमार का कहना है कि वह लोडर से अपने घर जा रहा था । रास्ते में अकोढिया गेट के पास चार लोगों ने उन्हें घेर लिया , और उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया है। उसके बाद हमलावर उसे धमकी देते हुए चले गए। घटना के बाद कोतवाली पहुंचे पीड़ित ने मामले की तहरीर दी है।

नये 'कानूनों' का नये सिरे से 'अध्ययन' आवश्यक : आईजी

जागरूकता सेमिनार में नये कानूनों की जानकारी पर जोर

तेजयुग न्यूज

बस्ती। पहली जुलाई 2024 से लागू होने वाले नये कानूनों का नये सिरे से अध्ययन आवश्यक है जिससे उसके बेहतर क्रियान्वयन में सुविधा हो। यह विचार आई.जी. बस्ती परिक्षेत्र रामकृष्ण भारद्वाज ने व्यक्त किया। वे अभियोजन निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा पुलिस लाइन सभागार में आयोजित नवीन धाराओं के क्रियान्वयन के विषय में प्रशिक्षण, सेमिनार, कार्यशाला को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे।

दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुये आईजी. रामकृष्ण भारद्वाज ने कहा कि पहली जुलाई 2024 से नये कानून लागू होने वाले हैं। भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम में जो परिवर्तन आने वाले हैं उसके लिये अभी से तैयारी कर ली जाय जिससे कानूनों के क्रियान्वयन में प्रभावशाली उपयोगिता सिद्ध हो सके। पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चैधरी ने कहा कि बेहतर पुलिय सेवा के लिये नियम कानूनों की जानकारी होना अति आवश्यक है। 1 जुलाई 2024 से जो परिवर्तन होने वाले हैं इस दिशा में अध्ययन अति आवश्यक है जिससे पुलिसकर्मी और बेहतर ढंग से पीड़ित को न्याय दिला पाने की दिशा में कार्य कर सकें। सेमिनार में अपर निदेशक अभियोजन राम अचरज चतुर्वेदी, प्रभारी संयुक्त निदेशक अभियोजन बस्ती अशोक कुमार त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक अभियोजन सिद्धार्थनगर आर.के. मिश्र, संतकबीर नगर के दयानन्द पटेल आदि ने इस बात पर जोर दिया कि लागू किये जाने वाले नये कानूनों की जानकारी प्राप्त किया जाय।

इन अधिनियमों के परिवर्तन होने के पूर्व ऐसे सेमिनार, गोष्ठियां आयोजित की जांय जिससे लोग जागरूक और जानकार बन सकें। सेमिनार में शासकीय अधिवक्ता, सहायक शासकीय अधिवक्ता, थानों के विवेचनाधिकारी, पर्यवेक्षण अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अपर निदेशक अभियोजन बस्ती परिक्षेत्र रामचरज चतुर्वेदी, प्रभारी संयुक्त निदेशक अभियोजन बस्ती अशोक कुमार त्रिपाठी ने सेमिनार में हिस्सा लेने आये अतिथियों, वक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

दबंगों से भयभीत महिला पहुंची एसपी की चौखट

थाने में नहीं सुनी गई फरियाद एसपी से जागी आस

तेजयुग न्यूज

रायबरेली। छोटे-छोटे मामलों में जबरन लोगों को थाने में लाकर बैठाने वाली पुलिस को एक महिला की फरियाद सुनना कठिन हो रहा है। हो सकता है कि गरीब पीड़ित महिला की स्थानीय पुलिस से सेटिंग गेटिंग न बन पा रही हो क्योंकि अधिकतर मामलों में पुलिस बिना किसी लाभ के एक कदम नहीं बढ़ती है, यह हम नहीं कह रहे बल्कि एसपी की चौखट पर बच्चों के साथ पहुंची पीड़ित महिला के हाथों में लगातार तीन बार थाने में दी गई।

शिकायतों की लाल पीली पर्चियां चीख रही है कि स्थानीय पुलिस से मदद मांगी गई है। हालांकि मामला जमीन विवाद से है सायद यही वजह है कि पुलिस मामले को हल्के में ले रही है क्योंकि अधिकतर जमीन के मामलों से पुलिस को दूर रखा गया है लेकिन इसके निपटारे के लिए सरकार ने पुलिस और राजस्व की टीम गठित कर रखी है तों फिर थाना स्तरों पर सुनवाई क्यों नहीं की जा रही हैं जबकि शिकायत पर पुलिस राजस्व की टीम का सहारा लेकर निपटारा कर सकती हैं। मामला भदोखर थाना क्षेत्र के ग्राम बरगदहा मजरे चकरार का है उपरोक्त गांव निवासिनी उषा पत्नी धर्मेंद्र यादव ने गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आरोप लगाया है कि गांव के ही देश लाल पुत्र सीताराम जिसके खिलाफ पूर्व से कई आपराधिक मामले दर्ज है पीड़िता के मुताबिक उस पर हिस्ट्रीशीटर की भी कार्रवाई हो चुकी है जिसने दबंगई की बल पर उसकी दरवाजे की पुश्तैनी जमीन की सहन पर कब्जा कर लिया है जबकि उपरोक्त जमीन पर पूर्व से उसका कब्जा है। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़िता ने यह बताया कि उसकी एक पुत्री फस्टियर में है जो डर के चलते कॉलेज नहीं जा पा रही है। इस संबंध में एसपी के सीयूजी नंबर पर काल किया गया तो रिसीव के बजाय किसी ने फोन काट दिया।

एसपी के फरमान पर ग्राहण

रायबरेली। जनपद में आमद होते ही पुलिस अधीक्षक अभिषेक अग्रवाल ने पीड़ितों की जन सुनवाई को प्राथमिकता करार देते हुए जिले के समस्त थानेदारो को चेतावनी दी थी कि फरियादियों की शिकायत थाना स्तरों गंभीरता से लिया जाए अन्यथा की दशा में कार्रवाई की जाएगी। लेकिन आज पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लगने वाली भीड़ बता रही हैं कि पीड़ितों की थानों पर अनुसुनी हो रही है तभी दूर दूर से पीड़ित न्याय पाने के लिए जिला मुख्यालय पहुंच रहा है।

सशस्त्र सीमा बल द्वारा सीमा चौकी गुरुंग पर पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

टी.बी. लाल

बलरामपुर : 9वी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल बलरामपुर द्वारा सीमा चौकी गुरुंग नाका के सोनपुर गांव में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत गुरुवार को पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. समुदर सिंह सरोज राज्य सरकार (उत्तर- प्रदेश) बलरामपुर की निगरानी में 54 लाभार्थियों के 212 पशुओं का इलाज किया गया। इस शिविर के दौरान पशुपालकों को पशुओं में होने वाले रोगों के बारे में जानकारी दी गई तथा पशुओं की अच्छी तरह से देख - रेख करने के बारे में भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर जाहिदा खातून ग्राम प्रधान व नौवी वाहिनी सशस्त्र सीमा बल बलरामपुर के पशु चिकित्सालय विभाग के बलकर्मी, जवान एवं ग्राम के नागरिक मौजूद रहे।